नारी तुम केवल श्रद्धा नहीं !

रश्मि शर्मा*

मातृत्व का गौरव पाकर
सृष्टि का श्रृंगार किया
पूरक बनकर पुरुष की तुमने
नवजीवन का संचार किया।

जननी बनकर तुमने ही
उद्गम और उच्चार किया
न केवल तुम श्रद्धा हो
तुमने यह प्रमाण दिया।

मरुथल मे सरिता सी शीतल
ममता की निर्मल धारा हो
माता बहन पत्नी और बेटी
त्याग और प्रेम उदाहरण हो।

बिन बोले जो सबकुछ समझे
ऐसी अकथ कहानी हो
घर को स्वर्ग बनाने वाली
न्याय प्रिय, प्रिय नारी हो।

इतिहास गवाह है नारी पर
हो रहे अत्याचारों का
एक ओर नारी की पूजा
दूजी ओर हिंसा अपार
सीता जैसी सती ने भी तो
दी थी अग्नि परीक्षा यहाँ
द्रौपदी को भी इसी धरा पर
जुए में था धरा गया।

वत्सला से वज्र में
ढल जाने वाली तुम ही तो हो
कभी फूल और कभी अंगार
ढाल भी हो तलवार भी हो
रण में झांसी की रानी
त्याग में पन्ना धाय हो
प्रेम में मीरा बाई हो
और धैर्य में सीता माई हो।

विकृत मन वाले मानव
विचरण करते यहाँ हजार
जागो जागो और जगाओ
यही समय की है पुकार
भोग्या नहीं हम तारना हैं
सुन ले यह संपूर्ण समाज।

□□□□

* सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी, भारतीय मानक ब्यूरो , नई दिल्ली।

ISSN 2581-9917

NATURE AT ITS THE BEST

Dr. Peeyush Jain | Location : Mussorrie, India

Dr. Reeta Negi | Location : Almora, India

ISSN 2581-9917

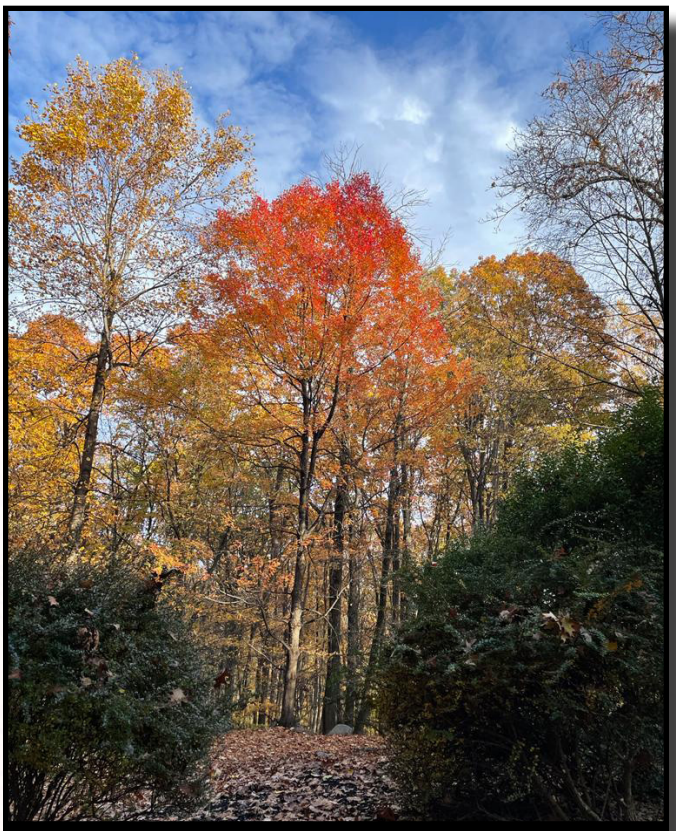

Dr. Praveer Jain | Location : Pennsylynia, USA

Mr. Anshul Sood | Location : Sikkim, India

Dr. Prerna Das | Location : New Oregon, USA

Dr. Prasoon Jain | Location: West Virginia, USA